A 213 – O – 1

Second Year B.A. Examination, May/June 2009
(Revised SIM Scheme)
OPTIONAL HINDI (Paper – II) (Group – II)
Texts : पद्य रत्नावली, कामायनी, अजातशत्रु, पाँच नये एकांकी

Date : 30-5-2009 Max. Marks : 90

Time : 2.00 p.m. to 5.00 p.m.

SECTION – A

I. सूरदास के 'भजन' की काव्यगत विशेषताओं की समीक्षा कीजिए। **20**

अथवा

राहुल–जननी कविता की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

II. 'चिंता' सर्ग के आधार पर चिंतित मनु की दशा का चित्रण कीजिए। **20**

अथवा

'चिंता' सर्ग का सारांश विशेषताओं सहित अपने शब्दों में लिखिए।

III. 'अजातशत्रु' नाटक का नायक सर्वगुण संपन्न है – विश्लेषण कीजिए। **15**

अथवा

टिप्पणियाँ लिखिए :

1) सूदत्त

2) प्रसेनजित।

SECTION – B

IV. एकांकी कला के तत्वों के आधार पर 'भोर का तारा' अथवा 'अंडे के छिलके' एकांकी की आलोचना कीजिए। **15**

P.T.O.

SECTION – C
(सप्रसंग व्याख्या)

V. अ) बार बार उस भीषण रव से कँपती धरती देख विशेष,
मानो नील व्योम उतरा हो आलिगंन के हेतु अशेष ! **7**

अथवा

ओ जीवन की मरु–मरीचिका, कायरता के आलस विषाद
अरे पुरातन अमृत ! अगतिमय मोहमुग्ध जर्गर अवसाद !

आ) रे मन ! सब लौ निरस है, सदस राम सों होहि । **6**

भयो सिखावन देत है, निस दिन, तुलसी तोहि ।

तुलसी श्री रघुवीर तजि करै भरोसों और ।

सुख सम्पति की कहा चली, नर कहु नहीं ठौर ।

अथवा

दोष पराये देखिके, चलै हसन्त हसन्त ।

आपन याद न आवई, जिनका आदि न अन्त ।

चलन चलन सब कोई कहै, मोहि अँदेसा और ।

साहब से परिचै नहीं, पहुँचोगे किहि ठौर ।

इ) जो राजा होगा, जिसे शासन करना होगा, उसे भिखमंगो का पाठ नहीं पढ़ाया जाता । **7**

अथवा

मैं मनुष्य हूँ, और इन मायाविनी स्त्रीयों के हाय का खिलौना हूँ – उठो वत्स अजात ! जो पिता है वह क्या कभी भी पुत्र को क्षमा–केवल क्षमा–माँगने पर भी नहीं देगा ।